1063
1-12-18
शनीवार

❀ आत्मा ❀

"गुरु" "विष्णु" भी क्योंकि वह आपके आत्मा को (पाल) कर संतुलीत रखता है।

बाबास्वामी
1/12/18

1064
2-12-18
रविवार

आत्मा

"गुरु" महेश्वर भी है,
आत्मा के अलावा
जो कुछ है, उसका
"नाश" भी करता है,

बाबास्वामी
2/12/18

1065

3-12-18

सोमवार

ꕥ आत्मा ꕥ

"मोक्ष" की स्थिती को पाने के लीये यह तिनो शक्तीया होना आवश्यक है.

बाबास्वामी
3/12/18

1066
4-12-18
मंगलवार

आत्मा

आत्मसुख के बीना "मोक्ष" का स्थिती मिलना संभव नही है।

बाबास्वामी
4/12/18

1067

5-12-18

बुधवार

ꕥ आत्मा ꕥ

"आत्मसुख" अपने जिवन की ओर देखने के सकारात्मक दृष्टीकोण से प्राप्त होता है।

बाबास्वामी

5/12/18

1068

6-12-18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

आत्मसुख तो वही
मनुष्य प्राप्त कर
सकता है, जिसको
"आत्मा" को देने को
समय हो

बाबास्वामी

6/12/18

1069

7-12-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

इस जगत सबसे गरीब
वह जीसके पास अपने
"आप" को देने को समय
न हो।

बाबा स्वामी
7/12/18

8-12-18

शनीवार

आत्मा

दिन मे आप 30 मिनीट
5से "परमात्मा" दो जिसके
कारण आप जिवीत हो

बाबा स्वामी
8/12/18

1071

9-12-18

रविवार

❀ आत्मा ❀

जिवन की सभी समस्याओ का निदान "ध्यान" है।

बाबा स्वामी

9/12/18

1072

10-12-18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

जिवन की सभी समस्यायें "शरीर" की ही होती है।

बाबास्वामी

10/12/18

1073

11-12-18

मंगलवार

आत्मा

सब नाते सब रिश्ते इस नाशवान "शरीर" के ही हैं।

बाबास्वामी
11/12/18

1074

12-12-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

जब शरीर ही नाशवान है, तो रिश्ते नाते "शाश्वत" कैसे हो सकते हैं,

बाबा स्वामी
12/12/18

1075
13-12-18
गुरुवार

आत्मा

केवल और केवल
एक ही रिश्ता नाशवान
नही है. वह है. आत्मा
और "परमात्मा" का

बाबास्वामी
13|12|18

1076

14-12-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" से आत्मा
कोई अलग नहीं कर
सकता है,

बाबा स्वामी

14|12|18

1077

15-12-18

शनीवार

❀ आत्मा ❀

गंगाजल भले ही
बोतल मे भर लो
वह "गंगाजल" ही
कहलाता है.

बाबास्वामी
15|12|18

1078

16-12-18

रविवार

ꕥ आत्मा ꕥ

परमात्मा भी किसी
भी शरीर रूपी बोतल
मे भरा हो "परमात्मा"
ही कहलायेगा।

बाबास्वामी
16/12/18

1079

17-12-18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" आप के ही शरीर रूपी बोतल में भरा है,

बाबास्वामी

17/12/18

1080

18-12-18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

किसी ने इसीलीये
कहाँ की "मुझको कहाँ
ढुंढेरे बन्दे मैं तो
तेरे ही "पास" हुं,

बाबास्वामी
18/12/18

1081

19-12-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

हम अपने "आप" में छोड़कर
सारे जगत मे उसे
खोजने फिरते है।

बाबा स्वामी
19/12/18

1082

20-12-18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

आप अपने "आप" को
समय देते हो वही
समय आपके अंन्तिम
सांस तक काम आयेगाँ

बाबा स्वामी
20/12/18

1083

२१-12-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

वाह अन्तीम सांस कौनसी होगी यह पता नही है, इस लीये प्रत्येक सांस को "वर्तमान" मे रहकर जियो

बाबास्वामी
२१.१२.18

1084

22-12-18

शनिवार

❀ आत्मा ❀

यह सांस प्रारंभ कौन "कर्ता" है। कोई नहीं जानता इस जगत मे कुछ बाते ऐसी होती है जिसका कर्ता कोई नही है।

स्वामी
22/12/18

1085

23-12-18

रविवार

❀ आत्मा ❀

एक कली को फुल
बनाने वाला भी
कोई "कर्ता" नही है।

बाबा स्वामी
23/12/18

1086

24-12-18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

आत्म साक्षात्कार भी
कोई नही करा सकता
जो "कर्ता" नही है, उससे
ही वह हो जाता है.

बाबा स्वामी
24/12/18

25-12-18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

आत्मसाक्षात्कार तो सदगुरु के सानीध्य मे इसलीये होता है। कयोकी उसमे "कर्ता" भाव नही होता

बाबास्वामी
25/12/18

1088

26-12-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

जिस क्षण आपका "कर्ता" भाव छुट जाता है, उसी क्षण आत्मसाक्षात्कार हो जाता है।

बाबास्वामी

26/12/18

1089

27-12-18

गुरुवार

आत्मा

कुछ घटनाएं केवल घटती है, उसे कोई "कराता" नहीं है।

बाबास्वामी

27/12/18

1090

28-12-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

हमारे मे अगर कर्ता
का भाव हो तो हमे
सभी जगह "कर्ता" ही
दिखता है,

बाबा स्वामी
28/12/18

1091
29-12-18
शनीवार

❀ आत्मा ❀

"कर्ता भाव" के कारण ही
हम सदैव सोचते है,
की कोई न कोई करने-
वाला तो होगा ही-

बाबास्वामी
29|12|18

1092

30-12-18

रविवार

❀ आत्मा ❀

हम कर्ता का भाव रख
कर उसे खोजते है
जो "कर्ता" नही है, तो
कैसे मिलेगा,

बाबा स्वामी
30/12/18

1093

31-12-18

सोमवार

आत्मा

ठीक इसी प्रकार जब
तक "कर्ता" का भाव
है। "ध्यान" संभव ही
नहीं है।
क्योकी कुछ भी नहीं
करना ही ध्यान है।

बाबास्वामी
31/12/18